Roll No. ....

DD–2153

B. A. (Part II) EXAMINATION, 2020

HINDI LITERATURE

Paper First

(अर्वाचीन हिन्दी काव्य)

Time : Three Hours

Maximum Marks : 75

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। अनर्गल लेखन पर अंक काटे जायेंगे।

1. निम्नलिखित काव्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिये : 21

(क) विद्या मधुर सहकार करती सर्वथा कटु निम्ब को
विद्या ग्रहण करती कलों से शब्द को, प्रतिबिम्ब को।
विद्या जड़ों से भी सहज ही डालती चैतन्य है,
हीरा बनाती कोयले को धन्य! विद्या धन्य है।

अथवा

तुम मध्य भाग के, महाभाग!
तरु के उर के गौरव प्रशस्त
मैं पढ़ा जा चुका पत्र, न्यस्त
तुम अलि के नवरसरंगराग।
देखो, पर, क्या पाते तुम फल
देगा जो भिन्न स्वाद रस भर,
कर पार तुम्हारा भी अन्तर
निकलेगा जो तरु का सम्बल।

(ख) भूमि गर्भ में छिप विहग से,
फैला कोमल रोमिल पंख
हम असंख्य अस्फुट बीजों में,
सेते साँस, छुड़ा जड़ पंक;
विपुल कल्पना से त्रिभुवन की
विविध रूप धर, भर नभ-अंग
हम फिर क्रीड़ा कौतुक करते,
छा अनंत उर में निःशंक।

अथवा

'पुत्र-पुत्री' हैं ? जीवित जोश और सब कुछ सहने की शक्ति।
'सिद्धि ?' पद पद्मों में स्वातन्त्र्य-सुधा-धारा बहने की शक्ति।
'हानि ?' यह गिनो हानि या लाभ, नहीं भाती कहने की शक्ति।
'प्राप्ति ?' जगतीतल का अमरत्व, खड़े जीवित रहने की शक्ति।

(ग) पार्श्व गिरि का नम्र, चीड़ों में
डगर चढ़ती उमंगों-सी।
बिछी पैरों में नदी ज्यों दर्द की रेखा।
विहग-शिशु मौन बीड़ों में।
मैंने आँख भर देखा।

अथवा

घर
मेरा कोई है नहीं
घर मुझे चाहिए;
घर के भीतर प्रकाश हो
इसकी भी मुझे चिन्ता नहीं;
प्रकाश के घेरे के भीतर मेरा घर हो
इसी की मुझे तलाश है।
ऐसा कोई घर आपने देखा है ?

2. "श्री मैथिलीशरण गुप्त राष्ट्रीय भावनाओं के कवि हैं।" सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। 12

अथवा

'निराला' की 'क्रांतिकारी दृष्टि' पर एक आलेख लिखिये।

3. अपने युगीन कवियों में सुमित्रानंदन पंत प्रकृति के सर्वाधिक मनोरम चित्र उतारने में सफल हुए हैं। सिद्ध कीजिए। 12

अथवा

"माखनलाल चतुर्वेदी की कविताओं में प्रकृति और प्रेम की ऐन्द्रिकता अपने निहायत अंतरंग विन्यास में भी राष्ट्रवाद के मानसिक परिसर में मूर्त होती है।" इस कथन की विवेचना कीजिए।

अथवा

अज्ञेय की काव्यगत विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 15

(i) 'हरिऔध' की रचनाएँ

(ii) छायावाद की वृहदत्रयी

(iii) व्यक्ति स्वातंत्र्य, वैविध्य एवं प्रयोगशीलता के कवि 'अज्ञेय'

(iv) सुभद्राकुमारी चौहान की काव्य संवेदना

(v) श्रीकांत वर्मा का जीवन-परिचय

(vi) 'ताज' कविता का सार

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पन्द्रह** वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए : प्रत्येक 1

(i) मैथिलीशरण गुप्त रचित किसी **एक** महाकाव्य का नाम लिखिए।

(ii) आधुनिक हिन्दी काव्य में मैथिलीशरण गुप्त किस युग के कवि हैं ?

(iii) किस कवि को 'महाप्राण' की उपाधि दी गई है ?

(iv) 'वीणावादिनी' का अर्थ बताइये।

(v) भारतमाता कहाँ निवास करती है ?

(vi) छंद से कविता की मुक्ति को किस कवि ने मनुष्य की मुक्ति से जोड़ा है ?

(vii) छायावाद का शिखर काव्य किसे माना जाता है ?

(viii) माखनलाल चतुर्वेदी का जन्म कहाँ हुआ था ?

(ix) 'उलाहना' कविता में किस पर व्यंग्य किया गया है ?

(x) कवि 'अज्ञेय' का पूरा नाम लिखिये।

(xi) प्रगतिवादी काव्यधारा किस वाद से प्रभावित है ?

(xii) श्रीकांत वर्मा की उस कृति का नाम बताइये जो आत्ममंथन का रास्ता सुझाती है।

(xiii) खड़ी बोली में प्रबन्ध काव्य लिखने की परम्परा का सूत्रपात किस कवि ने किया ?

(xiv) 'मेरा नया बचपन' किसकी रचना है ?

(xv) कवि निराला ने किस पत्रिका का सम्पादन किया था ?

(xvi) आधुनिक युग की मीरा किस कवियत्री को कहा जाता है ?

(xvii) मजदूर, किसान और दलित शोषित के जीवन का चित्रण करने की प्रवृत्ति किस वाद में विकसित हुई ?

(xviii) 'राजे ने अपनी रखवाली की' कविता में किस पर व्यंग्य किया गया है ?

(xix) सुभद्राकुमारी चौहान के कविता संकलन का नाम लिखिए।

(xx) किस वाद का काव्य युवा बौद्धिकों की मध्यवर्गीय प्रतिक्रियाओं का काव्य था ?

DD–2153 21,500